गत वर्ष जुलाई में मोज़ाम्बीक की खान से निकला, अब तक का सबसे बड़ा, 55.22 कैरट का रुबी (माणक), हाल ही में रिकॉर्ड 34.8 मिलियन डॉलर में बिका है। इस देश की अधिकारिक पुर्तगाली भाषा में इसे ''एस्त्रेया ड फूरा'' नाम दिया गया है। मूलतः 101 कैरट का यह रुबी तराशे जाने के बाद 5.22 कैरट का रह गया है। सॉथबीज़ नीलामघर ने इसे बेहद दुर्लभ और अब तक का नीलाम होने वाला सबसे कीमती व महत्वपूर्ण रुबी बताया है। मोज़ाम्बीक में कैनेडा की कम्पनी फूरा जैम्स की माइन से यह रुबी निकला है। कम्पनी के सी.ई.ओ. देव शेट्टी ने कहा कि, इस आकार का स्टोन अप्रत्याशित था। फूरा के लिए नगीनों की ''सॉर्टिंग'' (वर्गीकरण) करने वाले बलबीर नाम के व्यक्ति ने सबसे पहले इस नगीने को देखा था। बलबीर ने कहा, ''मेरी एक लैबोरेटरी है और 20 साल से मैं नगीनों की जांच कर रहा हूं पर मैंने आज तक ऐसा कोई नगीना नहीं देखा। किसी ने भी ऐसे रंग, शुद्धता व चमक वाला रुबी पहले नहीं देखा है।'' पृथ्वी पर रुबी की सर्वाधिक सफल खानों में एक, इस खान की खोज कुछ दशक पहले ही मोज़ाम्बीक में हुई थी और 2009 में जब यहाँ रुबी का बड़ा भंडार मिला तब यह खान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई। शेट्टी ने कहा, ''हमारे लिए, हमारी कम्पनी और मोज़ाम्बीक के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है, मुझे मोज़ाम्बीक पर गर्व है।''

मणिपुर में सामूहिक हिंसा, तीन ग्रामसेवकों की गोली मारकर हत्या

पुलिस ने बताया कि, अज्ञात बंदूकधारी गांवों में घुसकर दूसरी जाति के लोगों को अपनी गोलियों का निशाना बना रहे हैं

- **मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।**
- **मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इम्फाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे मुख्यतः पर्वतीय जिलों में रहते हैं।**

इम्फाल, 2 जुलाई। मणिपुर में भारी सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां बिश्नुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम दो ग्राम स्वयंसेवकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खोइजुमंतगबी गांव में रविवार देर रात यह घटना तब हुई जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थायी बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह खबर मिलने तक भारी गोलीबारी जारी थी। अधिकारी ने हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई। पूर्वोत्तर राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क उठी थी।

मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और यह मुख्यत: पर्वतीय जिलों में रहती है।

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी 29 और 30 जून को मणिपुर के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने नागरिक समाज संस्थाओं के सदस्यों से मुलाकात की। इसके अलावा शिविरों में रह रहे लोगों से भी मुलाकात की।

कांग्रेस ने हिंसा को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर हमला बोला। वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा, मणिपुर की स्थिति सात से 10 दिन के भीतर सुधरने की बात कही गई थी। अगर भाजपा के नेता मणिपुर हिंसा से दूर रहें तो ही ठीक है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए, तभी स्थिति सुधर सकती है।

मोदी की यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरिस एयर शो के मौके पर सफरान इंजन फैक्ट्री और पेरिस के पास अनुसंधान एवं विकास केंद्र का विशेष दौरा किया था।

इस बीच, रक्षा मंत्री और फ्रांस के साथ एन.एस.ए. के नेतृत्व वाली रणनीतिक वार्ता के तहत इंजन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, फ्रांसीसी पेशकश में पूरी तरह से नया इंजन, नई सामग्री, नई वास्तुकला, पूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं का गुप्त अनुपालन और भारत में स्थित सहायक विनिर्माण शामिल हैं, जबकि जेट इंजन सौदे की कीमत अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में प्रति इंजन बेहद प्रतिस्पर्धी होगी, निर्मित इंजन के डिजाइन से प्रमाणन तक की कुल प्रक्रिया में हस्ताक्षर की तारीख से 10 साल का वक्त लगेगा। ऑफर में सफरान द्वारा पूर्ण डिजाइन और धातुकर्म परिशुद्धता सॉफ्टवेयर टूल के साथ भारत में गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता का केंद्र स्थापित करना भी शामिल है।

बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैस्टिल दिवस समारोह में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही 13 जुलाई की दोपहर पेरिस पहुंचेंगे। उम्मीद है कि, वे 13 जुलाई को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। भारतीय वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान 14 जुलाई को बैस्टिल डे फ्लाई-पास्ट में भाग लेंगे।

बी.ओ.बी. अपना क्रेडिट कार्ड बिजनेस बेचेगा

- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बीओबी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है।**

नई दिल्ली, 2 जुलाई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बी.ओ.बी.) ने अपनी क्रेडिट कार्ड कारोबार शाखा-बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड में 49 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने की योजना बनाई है। इस समय कंपनी में 100 प्रतिशत स्वामित्व बी.ओ.बी. के पास है।

एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. ने एक रणनीतिक निवेशक को शामिल करने के मकसद से प्रस्ताव के लिए अनुरोध जारी किया है और यह प्रक्रिया एक साल में पूरी होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि बी.ओ.बी. का इरादा बी.ओ.बी. फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में अधिक मूल्य जोड़कर इसे वृद्धि के अगले स्तर पर ले जाना है। इसके लिए बैंक एक या एक से अधिक निवेशकों को 49 प्रतिशत तक हिस्सा बेचने की तैयारी कर रहा है।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पटना में विपक्ष की बैठक हुई थी, लेकिन वहां पर कोई एकता नहीं है। भुजबल ने आगे कहा कि शरद पवार ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ही आएंगे।

'जे.एन.यू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गति से जहर डालने से सामान्य व्यक्ति आत्मघाती हमलावर बन जाते हैं। याद रखें कि हमारे जैसे परिवारों के साथ हमलावर खुद भी आतंकवादियों नेता की विकृत मान्यताओं और ब्रेनवॉशिंग का शिकार हो गए हैं। 72 कुंवारियों के घातक भ्रम में फंसकर, वे विनाश के रास्ते पर चल पड़ते हैं और अंतत: एक भयानक भाग्य का सामना करते हैं।

निर्माता गुलाब सिंह तंवर ने साझा किया, किसी ऐसे प्रोजेक्ट का समर्थन करना कमजोर दिल का काम नहीं है जो भावनात्मक रूप से इतना भारी हो। 72 हुर्रे यह दिखाने का सही तरीका था कि कैसे धर्म के नाम पर, काल्पनिक कहानियां निर्दोष और सामान्य लोगों को बेची गईं लोगों को क्रूर आतंकवादियों में बदलने के लिए।

'भाजपा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने ही एन.सी.पी. के बारे में कहा था कि एन.सी.पी. खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का भी जिक्र किया था, लेकिन मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज उसी गठबंधन में शपथ ली है। तो अब स्पष्ट है कि सरकार में शामिल होते वे सभी आरोप मुक्त हो गए हैं।

'एन.सी.पी. किसकी है इसका जवाब जनता देगी'

शरद पवार ने कहा कि, मैं 1980 में ऐसे ही दौर से गुजर चुका हूं, तब मेरे पास सिर्फ 6 विधायक बचे थे, मुझे ऐसे हालात से निपटना अच्छी तरह आता है

- **शरद पवार ने कहा कि, इस घटनाक्रम से पहले अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि, जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि, जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि, उन्होंने भी शपथ ले ली है।**
- **शरद पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि, इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि, लोग हमें समर्थन देंगे।**

मुंबई, 2 जुलाई। अजित पवार के एन.सी.पी. पर नियंत्रण के दावों का जवाब देते हुये एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि, जनता बताएगी पार्टी किसकी है। शरद पवार ने कहा कि मैं लोगों के बीच जाऊंगा और समर्थन जुटाऊंगा। अजित के भाजपा के साथ जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि एन.सी.पी. की आइडियोलॉजी इस बात की इजाजत नहीं देता कि भाजपा के साथ गठबंधन किया जाए।

एन.सी.पी. मुखिया ने आगे कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। 1980 में मैं जिस पार्टी का नेतृत्व कर रहा था, उसके 58 विधायक थे, बाद में सभी चले गए और केवल 6 विधायक बचे, लेकिन मैंने संख्या को मजबूत किया और जिन्होंने मुझे छोड़ा वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हार गए।

शरद पवार ने कहा कि अजित पवार से कोई चर्चा नहीं हुई थी। हालांकि जाने से पहले छगन भुजबल ने मुझसे बात की थी। भुजबल ने कहा था कि जो हो रहा है वह ठीक नहीं है। उन्होंने अजित के घर जाने की बात कही थी, लेकिन पता चला कि उन्होंने भी शपथ ले ली है। साथ ही पवार ने कानूनी रास्ता अख्तियार करने से भी मना किया। उन्होंने कहा कि इसके बजाए हम लोगों के पास जाएंगे। हमें पूरा भरोसा है कि लोग हमें समर्थन देंगे। शरद पवार ने आगे कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मैंने प्रफुल्ल पटेल जैसे नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। मेरा उनसे यही कहना है कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व का विश्वास खो दिया है। अब वह इस्तीफा दे दें, अन्यथा मैं उनके खिलाफ ऐक्शन लूंगा।

'यू.सी.सी. का नहीं, हमारा विरोध तो बस भाजपा के तौर-तरीके से है'

मायावती ने कहा कि, भाजपा राजनीतिक फायदे के लिए संकीर्ण सोच रखकर यू.सी.सी. लागू कर रही है

- **उन्होंने कहा कि, यू.सी.सी. में किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए। यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।**

लखनऊ, 2 जुलाई (वार्ता)। बसपा प्रमुख मायावती ने आज कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यू.सी.सी.) के खिलाफ नहीं है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के देश में इसे लागू करने के तरीके से असहमत है।

यहां पत्रकार वार्ता में बसपा सुप्रीमो ने यू.सी.सी. को लेकर अपनी पार्टी के रूख को स्पष्ट करते हुए कहा कि पार्टी यू.सी.सी. के खिलाफ नहीं है लेकिन भाजपा जिस तरह से इसे पूरे देश में लागू करना चाहती है वह तरीका सर्वधर्म हिताय, सर्वधर्म सुखाय का नहीं है। इसकी आड़ में इनकी संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ज्यादा देखने को मिल रही है जो ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसमें किसी तरह का धार्मिक पक्षपात नहीं होना चाहिए। इनको इस सब से ऊपर उठकर इसे लागू करना चाहिए।

यदि सरकार ऐसा कुछ करती है तो बसपा इस पर सकारात्मक रूख अपनायेगी अन्यथा पार्टी इसका विरोध करेगी।

मायावती ने कहा कि देश में रहने वाले विभिन्न धर्मों के लोग परंपरा, रीति रिवाज, रहन -सहन और जीवनचर्चा सहित अनेकों चीजों में एक दूसरे से भिन्न मान्यताएं रखते हैं, जिसको नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन यह भी सोचने वाली बात है कि अगर सभी धर्मों के लोगों के लिए एक समान कानून होगा तो इससे देश कमजोर नहीं बल्कि मजबूत ही होगा। इसी बात को ध्यान में रखकर संविधान की धारा 44 में यू.सी.सी. लागू करने का प्रयास वर्णित है। भाजपा को इस सभी बातों को ध्यान में रखकर देश में यू.सी.सी. लागू करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने कहा इसके जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान में नहीं है। इसके लिए जागरूकता और आम सहमति ही श्रेष्ठ है, जिस पर अमल न करके इसकी आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देश हित में नहीं है जो इस समय की जा रही है।

फ्रांस: प्रदर्शनकारी बेकाबू, मेयर के घर में घुसाई कार और आग लगा दी

पैरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद पांच दिनों से भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है

पैरिस, 2 जुलाई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 17 साल के एक किशोर की पुलिस गोलीबारी में हुई हत्या के बाद भड़का आंदोलन शांत नहीं हो पा रहा है। पांचवें दिन भी उग्र प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में उत्पात मचाया है। पेरिस के एक उपनगर में मेयर के घर में भीड़ ने जबरन कार घुसा दी, जिसमें मेयर की पत्नी और बच्चे घायल हो गए हैं। दंगाइयों ने मेयर के घर में तोड़फोड़ और आगजनी भी की है।

मेयर विंसेंट जीनब्रून ने रविवार को कहा कि उनके घर पर शनिवार रात प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। एक ट्विटर पोस्ट में उन्होंने कहा, उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों ने उनके घर पर हमला किया है। मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि जब उनका परिवार सो रहा था, तब प्रदर्शनकारियों ने ''आग लगाने'' से पहले उनके घर में ''एक कार घुसा दी'' जिसमें ''मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा घायल हो गया।'' जीनब्रून ने कहा, ''यह कायरता और हत्या का प्रयास था।''

आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को कहा कि पांचवीं रात हुए दंगों के दौरान गिरफ्तारियां बढ़कर 719 हो गई हैं। इससे कुछ घंटे पहले मंत्रालय ने 486 गिरफ्तारियों का अस्थायी आंकड़ा दिया था और कहा था कि हिंसा पहले की तुलना में कम होती दिख रही है। उस वक्त रात में लगभग 1,300 लोगों को हिरासत में लिया गया था। अब तक पांच दिनों में कुल 2800 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच, फ्रांस में पुलिस की गोलीबारी में मारे गए किशोर को शनिवार को दफना दिया गया।

देशभर में जारी हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जर्मनी का दौरा रद्द कर दिया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि हिंसा रोकने के लिए देशभर में 45,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंगलवार रात को प्रदर्शन की शुरुआत के बाद से पुलिस ने कुल 2,800 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से आधी से ज्यादा गिरफ्तारियां हिंसा की चौथी रात को हुईं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने शांति की अपील करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को घरों पर ही रखने की अपील की। बावजूद इसके, विभिन्न शहरों में प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और इमारतों में आग लगा दी तथा दुकानों में लूटपाट की।

अधिकारियों के मुताबिक, युवा प्रदर्शनकारियों की पुलिस से रातभर भिड़ंत हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 2,500 दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की।

यूनान में जहाज पलटा, मदद करने नहीं आई कोस्टल गार्ड्स टीम 600 लोगों की मौत

जहाज में सवार लोगों ने फोन करके यूनान की सरकार और मानवतावादी कार्यकर्ताओं से मदद की गुहार लगाई, लेकिन सरकार ने कोई भी तत्परता नहीं दिखाई और नाव डूब गई

- **नाव में सवार होकर लोग यूनान से लोग इटली जा रहे थे, यूनान में तस्करी की घटनायें बहुत ज्यादा होती हैं, तस्कर नाव में लोगों को ठूस-ठूस कर ले जाते हैं, इसलिए यूनान एवं यूरोप के कोस्टल गार्ड्स इनकी कोई मदद नहीं करते हैं।**
- **यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की, लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसैनिक अस्पताल का जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे।**

यूनान, 2 जुलाई (वार्ता)। यूनान में भूमध्य सागर में पिछले महीने ग्रीक तट रक्षकों की उपस्थिति में एक समुद्री त्रासदी में एड्रियाना जहाज पलट गया और 600 से अधिक प्रवासियों की डूबने से मौत हो गई।

तट रक्षक बल के अधिकारियों ने हवा और समुद्र से, रडार, टेलीफोन और रेडियो का उपयोग करते हुए 13 घंटे तक उन्हें देखा और सुना कि प्रवासी जहाज एड्रियाना ने अपनी बिजली खो दी तथा फिर धीरे-धीरे सामने आने वाले यूनान के तट के पास डूब गया।

जहाज पर सवार भयभीत यात्रियों ने मदद के लिए फोन किया तो मानवतावादी कार्यकर्ताओं ने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बचाव दल आ रहा है। हवाई फुटेज में यह दिख रहा है कि यूरोपीय सीमा अधिकारी एक वीरतापूर्ण अभियान के लिए तैयार थे। फिर भी जहाज पलट गया और इस समुद्री त्रासदी में 600 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरें , सीलबंद अदालती दस्तावेज़, जीवित बचे लोगों और अधिकारियों के साथ 20 से अधिक साक्षात्कार और अंतिम घंटों में प्रसारित रेडियो संकेतों से पता चलता है कि इन मौतों को रोका जा सकता था।

यूनान सरकार के दर्जनों अधिकारियों और तटरक्षक दल ने जहाज की निगरानी की लेकिन उसका बचाव नहीं किया और एक नौसेना अस्पताल जहाज या बचाव विशेषज्ञों को भेजने के बजाय, अधिकारियों ने एक टीम भेजी जिसमें तट रक्षक बल के विशेष अभियान इकाई के चार नकाबपोश, हथियारबंद लोग शामिल थे। यूनानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि एड्रियाना इटली की ओर जा रहा था और प्रवासी बचाने नहीं जाना चाहते थे। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्राप्त सैटेलाइट तस्वीरें और ट्रैकिंग डेटा दिखाते हैं कि जहाज पिछले साढ़े छह घंटों से एक धारा में बह रहा था। जीवित बचे लोगों ने जहाज के ऊपरी डेक पर यात्रियों को मदद के लिए पुकारने और यहां तक कि एक वाणिज्यिक टैंकर पर चढ़ने की कोशिश करने के बारे में बताया जो पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए रुका था। एड्रियाना जहाज पर सवार लगभग 750 यात्री हताश हो गए। जीवित बचे लोगों ने हर क्षण सामने आती मौत के दहशत के बारे में बताया।

एड्रियाना जहाज का डूबना भूमध्य सागर में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध का एक चरम उदाहरण है। उत्तरी अफ्रीका में क्रूर तस्कर घटिया जहाजों पर लोगों को ठूंस-ठूंसकर भर देते हैं और यात्रियों को उम्मीद होती है कि अगर कुछ ग़लत हुआ तो उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाएगा।

यूरोपीय तट रक्षक अक्सर इस डर से बचाव कार्यों को स्थगित कर देते हैं कि मदद करने से तस्करों को कमजोर जहाजों पर और अधिक लोगों को भेजने का साहस मिलेगा। अधिकारियों को एड्रियाना के यात्रियों ने मदद के लिए पुकारा, तो उन्होंने नाव के कप्तान, एक 22 वर्षीय मिस्त्र के व्यक्ति की बात सुनने का फैसला किया, जिसने कहा कि वह इटली जाना चाहता है।

यूनानी समुद्री मामलों के मंत्रालय ने कहा कि वह विस्तृत सवालों का जवाब नहीं देगा क्योंकि जहाज दुर्घटना की आपराधिक जांच चल रही है।

समुद्री मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कई घंटों की निगरानी के बावजूद, एड्रियाना के अंतिम क्षणों के एकमात्र चश्मदीद जीवित बचे लोग और तट रक्षक जहाज पर सवार 13 चालक दल के सदस्य थे, जिन्हें 920 के नाम से जाना जाता है। जहाज का रात्रि दृष्टि कैमरा उस समय बंद कर दिया गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908